test

01 January 1990, Monday
01:00:00 AM(5.5)
New Delhi, India

रेखांश	: 77.12E
अक्षांश	: 28.36N
साम्पातिक काल	: 7:19:34
स्थानीय मानक समय	: 00:38:48
अयनांश	: 23.72 एन सी लाहिरी

लग्न	: कन्या
लग्नपति	: बुध
राशी	: कुम्भ
राशी स्वामी	: शनि
नक्षत्र	: धनिष्ठा
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
चरण	: 2
नाड़ी	: मध्य
नाड़ी पद	: आदि
तिथि	: चतुर्थी शुक्ल
पाया	: स्वर्ण
सूर्य सिद्धांत योग	: वज्र
करण	: विष्टि
वर्ण	: शूद्र
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: जलचर
योनि	: सिंह(स्त्री.)
विहग	: वायस
गण	: राक्षस
प्रथम अक्षर	: ग, गी, गू, गे
सूर्य राशि	: धनु

लग्न कुन्डली

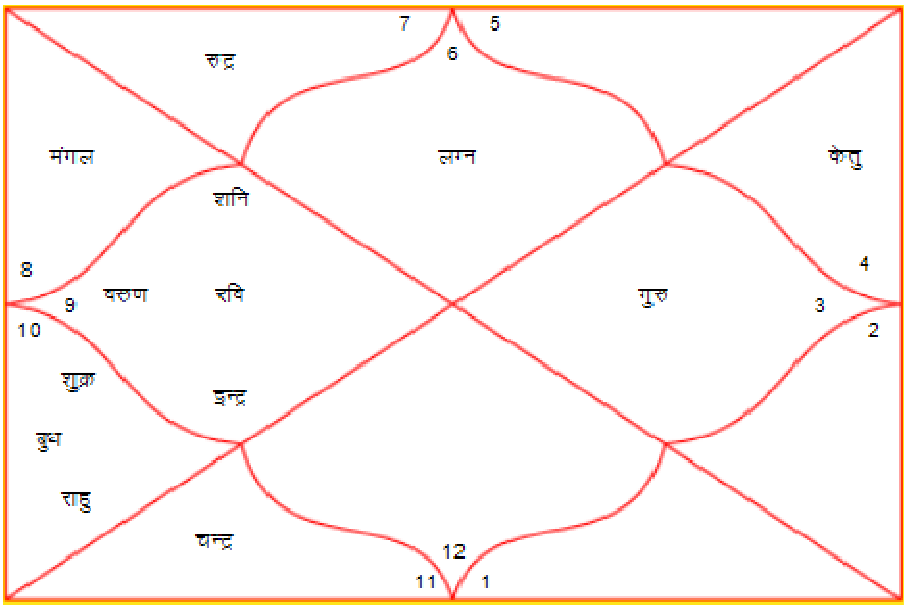

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	दिशा	राशी	स्वामी	डिग्री	नक्षत्र–पद	स्वामी
लग्न		कन्या	बुध	23:46:34	चित्रा–1	मंगल
रवि	मार्गी	धनु	गुरु	16:23:45	पूर्वाषाढ़ा–1	शुक्र
बुध	वक्री	मकर	शनि	2:6:43	उत्तराषाढ़–2	रवि
शुक्र	वक्री	मकर	शनि	12:35:5	श्रवण–1	चन्द्र
मंगल	मार्गी	वृश्चिक	मंगल	15:47:57	अनुराधा–4	शनि
गुरु	वक्री	मिथुन	बुध	11:31:28	अरिद्रा–2	राहु
शनि	मार्गी	धनु	गुरु	21:51:34	पूर्वाषाढ़ा–3	शुक्र
चन्द्र	मार्गी	कुम्भ	शनि	0:19:41	धनिष्ठा–3	मंगल
राहु	वक्री	मकर	शनि	24:45:17	धनिष्ठा–1	मंगल
केतु	वक्री	कर्क	चन्द्र	24:45:17	आश्लेषा–3	बुध
इन्द्र	मार्गी	धनु	गुरु	12:1:38	मूला–4	केतु
वरुण	मार्गी	धनु	गुरु	18:17:43	पूर्वाषाढ़ा–2	शुक्र
रुद्र	मार्गी	तुला	शुक्र	23:21:27	विशाखा–2	गुरु

वैवाहिक सुख–समृद्धी इस साल

किसी भी व्यक्ति कै वैवाहिक जीवन पर पूरी परिवार की खुशी का दारोमदार है. जिस घर में वैवाहिक खुशी हो वहां समृद्धी रहती है. इस रिपोर्ट में आने वाले 12 महीनों के लिये आपके वैवाहिक जीवन का ज्योतिषीय आंकलन है. इसके द्व ारा आप अपने साथी व अपनी अपेक्षाओं को समझ पायेंगे जिससे अपने वैवाहिक रिश्ते में सामंजस्य व प्रेम बनाये रखने में मदद मिलेगी.

विंशोत्तरी दशा (महादशा)

मंगल

	30 Apr 1986 - 30 Apr 1993
मंगल	30 Apr 1986 - 26 Sep 1986
राहु	26 Sep 1986 - 15 Oct 1987
गुरु	15 Oct 1987 - 20 Sep 1988
शनि	20 Sep 1988 - 30 Oct 1989
बुध	30 Oct 1989 - 27 Oct 1990
केतु	27 Oct 1990 - 25 Mar 1991
शुक्र	25 Mar 1991 - 24 May 1992
रवि	24 May 1992 - 29 Sep 1992
चन्द्र	29 Sep 1992 - 30 Apr 1993

राहु

	30 Apr 1993 - 01 May 2011
राहु	30 Apr 1993 - 11 Jan 1996
गुरु	11 Jan 1996 - 06 Jun 1998
शनि	06 Jun 1998 - 12 Apr 2001
बुध	12 Apr 2001 - 30 Oct 2003
केतु	30 Oct 2003 - 17 Nov 2004
शुक्र	17 Nov 2004 - 18 Nov 2007
रवि	18 Nov 2007 - 11 Oct 2008
चन्द्र	11 Oct 2008 - 12 Apr 2010
मंगल	12 Apr 2010 - 01 May 2011

गुरु

	01 May 2011 - 01 May 2027
गुरु	01 May 2011 - 18 Jun 2013
शनि	18 Jun 2013 - 30 Dec 2015
बुध	30 Dec 2015 - 06 Apr 2018
केतु	06 Apr 2018 - 13 Mar 2019
शुक्र	13 Mar 2019 - 11 Nov 2021
रवि	11 Nov 2021 - 30 Aug 2022
चन्द्र	30 Aug 2022 - 30 Dec 2023
मंगल	30 Dec 2023 - 05 Dec 2024
राहु	05 Dec 2024 - 01 May 2027

शनि

	01 May 2027 - 01 May 2046
शनि	01 May 2027 - 04 May 2030
बुध	04 May 2030 - 11 Jan 2033
केतु	11 Jan 2033 - 20 Feb 2034
शुक्र	20 Feb 2034 - 21 Apr 2037
रवि	21 Apr 2037 - 03 Apr 2038
चन्द्र	03 Apr 2038 - 02 Nov 2039
मंगल	02 Nov 2039 - 11 Dec 2040
राहु	11 Dec 2040 - 18 Oct 2043
गुरु	18 Oct 2043 - 01 May 2046

बुध

	01 May 2046 - 01 May 2063
बुध	01 May 2046 - 26 Sep 2048
केतु	26 Sep 2048 - 23 Sep 2049
शुक्र	23 Sep 2049 - 24 Jul 2052
रवि	24 Jul 2052 - 31 May 2053
चन्द्र	31 May 2053 - 30 Oct 2054
मंगल	30 Oct 2054 - 28 Oct 2055
राहु	28 Oct 2055 - 16 May 2058
गुरु	16 May 2058 - 21 Aug 2060
शनि	21 Aug 2060 - 01 May 2063

केतु

	01 May 2063 - 01 May 2070
केतु	01 May 2063 - 27 Sep 2063
शुक्र	27 Sep 2063 - 26 Nov 2064
रवि	26 Nov 2064 - 03 Apr 2065
चन्द्र	03 Apr 2065 - 02 Nov 2065
मंगल	02 Nov 2065 - 31 Mar 2066
राहु	31 Mar 2066 - 19 Apr 2067
गुरु	19 Apr 2067 - 25 Mar 2068
शनि	25 Mar 2068 - 04 May 2069
बुध	04 May 2069 - 01 May 2070

शुक्र

	01 May 2070 - 01 May 2090
शुक्र	01 May 2070 - 30 Aug 2073
रवि	30 Aug 2073 - 31 Aug 2074
चन्द्र	31 Aug 2074 - 30 Apr 2076
मंगल	30 Apr 2076 - 30 Jun 2077
राहु	30 Jun 2077 - 30 Jun 2080
गुरु	30 Jun 2080 - 01 Mar 2083
शनि	01 Mar 2083 - 01 May 2086
बुध	01 May 2086 - 01 Mar 2089
केतु	01 Mar 2089 - 01 May 2090

रवि

	01 May 2090 - 30 Apr 2096
रवि	01 May 2090 - 18 Aug 2090
चन्द्र	18 Aug 2090 - 17 Feb 2091
मंगल	17 Feb 2091 - 25 Jun 2091
राहु	25 Jun 2091 - 19 May 2092
गुरु	19 May 2092 - 07 Mar 2093
शनि	07 Mar 2093 - 17 Feb 2094
बुध	17 Feb 2094 - 24 Dec 2094
केतु	24 Dec 2094 - 01 May 2095
शुक्र	01 May 2095 - 30 Apr 2096

चन्द्र

	30 Apr 2096 - 02 May 2106
चन्द्र	30 Apr 2096 - 01 Mar 2097
मंगल	01 Mar 2097 - 30 Sep 2097
राहु	30 Sep 2097 - 01 Apr 2099
गुरु	01 Apr 2099 - 01 Aug 2100
शनि	01 Aug 2100 - 02 Mar 2102
बुध	02 Mar 2102 - 02 Aug 2103
केतु	02 Aug 2103 - 02 Mar 2104
शुक्र	02 Mar 2104 - 31 Oct 2105
रवि	31 Oct 2105 - 02 May 2106

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

गुरु – शुक्र

	13 Mar 2019 - 11 Nov 2021
शुक्र	13 Mar 2019 - 22 Aug 2019
रवि	22 Aug 2019 - 10 Oct 2019
चन्द्र	10 Oct 2019 - 30 Dec 2019
मंगल	30 Dec 2019 - 25 Feb 2020
राहु	25 Feb 2020 - 20 Jul 2020
गुरु	20 Jul 2020 - 27 Nov 2020
शनि	27 Nov 2020 - 30 Apr 2021
बुध	30 Apr 2021 - 15 Sep 2021
केतु	15 Sep 2021 - 11 Nov 2021

गुरु – रवि

	11 Nov 2021 - 30 Aug 2022
रवि	11 Nov 2021 - 26 Nov 2021
चन्द्र	26 Nov 2021 - 20 Dec 2021
मंगल	20 Dec 2021 - 06 Jan 2022
राहु	06 Jan 2022 - 19 Feb 2022
गुरु	19 Feb 2022 - 30 Mar 2022
शनि	30 Mar 2022 - 15 May 2022
बुध	15 May 2022 - 25 Jun 2022
केतु	25 Jun 2022 - 13 Jul 2022
शुक्र	13 Jul 2022 - 30 Aug 2022

गुरु – चन्द्र

	30 Aug 2022 - 30 Dec 2023
चन्द्र	30 Aug 2022 - 10 Oct 2022
मंगल	10 Oct 2022 - 07 Nov 2022
राहु	07 Nov 2022 - 19 Jan 2023
गुरु	19 Jan 2023 - 25 Mar 2023
शनि	25 Mar 2023 - 10 Jun 2023
बुध	10 Jun 2023 - 18 Aug 2023
केतु	18 Aug 2023 - 16 Sep 2023
शुक्र	16 Sep 2023 - 06 Dec 2023
रवि	06 Dec 2023 - 30 Dec 2023

गुरु – मंगल

	30 Dec 2023 - 05 Dec 2024
मंगल	30 Dec 2023 - 19 Jan 2024
राहु	19 Jan 2024 - 10 Mar 2024
गुरु	10 Mar 2024 - 25 Apr 2024
शनि	25 Apr 2024 - 18 Jun 2024
बुध	18 Jun 2024 - 05 Aug 2024
केतु	05 Aug 2024 - 25 Aug 2024
शुक्र	25 Aug 2024 - 21 Oct 2024
रवि	21 Oct 2024 - 07 Nov 2024
चन्द्र	07 Nov 2024 - 05 Dec 2024

गुरु – राहु

	05 Dec 2024 - 01 May 2027
राहु	05 Dec 2024 - 16 Apr 2025
गुरु	16 Apr 2025 - 11 Aug 2025
शनि	11 Aug 2025 - 27 Dec 2025
बुध	27 Dec 2025 - 30 Apr 2026
केतु	30 Apr 2026 - 21 Jun 2026
शुक्र	21 Jun 2026 - 14 Nov 2026
रवि	14 Nov 2026 - 28 Dec 2026
चन्द्र	28 Dec 2026 - 11 Mar 2027
मंगल	11 Mar 2027 - 01 May 2027

शनि – शनि

	01 May 2027 - 04 May 2030
शनि	01 May 2027 - 22 Oct 2027
बुध	22 Oct 2027 - 25 Mar 2028
केतु	25 Mar 2028 - 28 May 2028
शुक्र	28 May 2028 - 28 Nov 2028
रवि	28 Nov 2028 - 22 Jan 2029
चन्द्र	22 Jan 2029 - 23 Apr 2029
मंगल	23 Apr 2029 - 26 Jun 2029
राहु	26 Jun 2029 - 08 Dec 2029
गुरु	08 Dec 2029 - 04 May 2030

शनि – बुध

	04 May 2030 - 11 Jan 2033
बुध	04 May 2030 - 20 Sep 2030
केतु	20 Sep 2030 - 16 Nov 2030
शुक्र	16 Nov 2030 - 29 Apr 2031
रवि	29 Apr 2031 - 17 Jun 2031
चन्द्र	17 Jun 2031 - 07 Sep 2031
मंगल	07 Sep 2031 - 03 Nov 2031
राहु	03 Nov 2031 - 30 Mar 2032
गुरु	30 Mar 2032 - 08 Aug 2032
शनि	08 Aug 2032 - 11 Jan 2033

शनि – केतु

	11 Jan 2033 - 20 Feb 2034
केतु	11 Jan 2033 - 03 Feb 2033
शुक्र	03 Feb 2033 - 12 Apr 2033
रवि	12 Apr 2033 - 02 May 2033
चन्द्र	02 May 2033 - 05 Jun 2033
मंगल	05 Jun 2033 - 28 Jun 2033
राहु	28 Jun 2033 - 28 Aug 2033
गुरु	28 Aug 2033 - 21 Oct 2033
शनि	21 Oct 2033 - 24 Dec 2033
बुध	24 Dec 2033 - 20 Feb 2034

शनि – शुक्र

	20 Feb 2034 - 21 Apr 2037
शुक्र	20 Feb 2034 - 31 Aug 2034
रवि	31 Aug 2034 - 28 Oct 2034
चन्द्र	28 Oct 2034 - 02 Feb 2035
मंगल	02 Feb 2035 - 10 Apr 2035
राहु	10 Apr 2035 - 30 Sep 2035
गुरु	30 Sep 2035 - 03 Mar 2036
शनि	03 Mar 2036 - 02 Sep 2036
बुध	02 Sep 2036 - 13 Feb 2037
केतु	13 Feb 2037 - 21 Apr 2037

वैवाहिक सुख–समृद्धी इस साल

यह साल आपके लिये

अपने दाम्पत्य जीवन को लेकर सभी व्यक्ति के मन में जिज्ञासा रहती है कि उनकी गृहस्थी कैसी चलेगी. पति–पत्नी के बीच सामंजस्य रहेगा अथवा नहीं. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार दाम्पत्य जीवन में सुख–दुख, प्रेम और तनाव का व्यक्ति की कुण्डली में मौजूद ग्रहों की स्थिति पर निर्भर करता है. आपने देखा भी होगा कि किसी दम्पत्ति के बीच अत्यधिक स्नेह रहता है और अचानक छोटी सी बात को लेकर वे दोनों एक–दूसरे से वाद–विवाद करने लगते हैं और पति–पत्नी के बीच दूरियां बढ़ने लगती हैं . कभी आपने इसके विपरीत भी परिणाम देखा होगा.

वास्तव में आकाश में बैठे ग्रह और उनके गोचर के प्रभाव से दाम्पत्य जीवन में समय–समय पर अलग–अलग स्थितियों का सामना करना होता है. इस रिपोर्ट में ग्रहों की महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यंतर दशा, सप्तम भाव जिसे दाम्पत्य जीवन का घर माना जाता है उस घर में ग्रहों का गोचर और सप्तम भाव के स्वामी के गोचर के आधार पर यह जानकारी दी जा रही है कि आपका दाम्पत्य जीवन कैसा होगा. अगर कुछ परेशानी है तो उनका उपाय भी बताया गया है जिनसे दाम्पत्य जीवन को खुशहाल बनाये रखने में मदद मिलेगी.

ग्रहदशा का वैवाहिक सुख पर प्रभाव

महादशा : गुरु

01 May 2011 - 01 May 2027

गुरू महादशा के इस समय में दाम्पत्य जीवन में सुख शांति बनाये रखने के लिए समझदारी से काम लेना होगा. कुण्डली में गुरू कमज़ोर होने के कारण आपका मन भटक सकता है और नैतिक नियमों के विरूद्ध जाकर कोई कदम उठा सकते हैं. इन स्थितियों में वैवाहिक जीवन में तनाव और अशांति का वातावरण बन सकता है. धर्म और नैतिक नियमों का पालन करेंगे तो आपस में प्रेम बना रह सकता है.

इस अवधि में आर्थिक परेशानियां भी आ सकती हैं. ऐसे में संयम और सहनशीलता से काम लें. गुस्से और चिड़ाचिड़ान से घरेलू परेशानियां बढ़ेंगी न कि कम होंगी इसलिए पारिवारिक मुद्दों को मिलजुल कर सुलझाएं. एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप से बचना अच्छा रहेगा.

अन्तर दशा : गुरु–शुक्र

13 March 2019 - 11 November 2021

आपकी कुण्डली में इस समय बृहस्पति में शुक्र की अन्तर्दशा चल रही है. इस अवधि में आपके अंदर अहं की भावना बढ़ेगी जो दाम्पत्य जीवन के लिए अच्छी बात नहीं है इससे पति–पत्नी के बीच मतभेद बढ़ता है. दूसरी बात यह है कि इस दौरान आपके वैचारिक उलझनों में रहेंगे. एक मन कहेगा कि भौतिकता और प्रेम ही जीवन का सुख है तो दूसरा धार्मिक ज्ञान देने की कोशिश करेगा और ग़लत ढ़ंग से कामनाओं की पूर्ति के लिए रोकेगा. इस मनःस्थिति के कारण वैवाहिक जीवन का सुख प्रभावित हो सकता है. इस दशा के दौरान अच्छा होगा कि मन संयमित रखें और जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बैठाकर चलें.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–मंगल

30 December 2019 - 25 February 2020

आप इस समय में मंगल की प्रत्यन्तर दशा से गुजर रहे हैं. इन दिनों आपकी गृहस्थी अच्छी चलेगी लेकिन, इसके लिए जरूरी यह है कि आप जिद्द का त्याग करें और अपने साथी की भावनाओं को सम्मान दें. इससे आपके बीच अच्छा तालमेल बना रहेगा. परिवार चलाने में जीवनसाथी से पूरा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–राहु

25 February 2020 - 20 July 2020

इस अवधि में आप राहु प्रत्यंतर दशा के प्रभाव में रहेंगे. इस दौरान सुख–दुःख का मिलाजुला अनुभव प्राप्त होगा. पति–पत्नी कहीं यात्रा पर निकल सकते हैं. इस दशा में गृहस्थी को लेकर आपके मन में नकारात्मक सोच पनप सकता है. गृहस्थी को खुशहाल बनाये रखने के लिए इस तरह के विचारों को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए. आपस में सहयोग की प्रवृति रखना आपके पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा होगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–गुरु

20 July 2020 - 27 November 2020

गुरू प्रत्यंतर दशा की इस अवधि में आपको शांति और सद्भाव से काम लेना होगा. संभावना है कि बड़ों के प्रति मान–सम्मान में कमी आएगी. क्रोधवश उनका अपमान भी कर सकते हैं जिससे आपका साथी आपसे नाराज़ हो सकता है.

आपकी गृहस्थी में परेशानी का कारण यह भी हो सकता है कि आप अपने साथी की भावनाओं को ठीक से नहीं समझेंगे. गुरू प्रत्यंतर दशा की इस अवधि में आपके लिए उचित होगा कि ऐसा कोई कदम न उठाएं जिनसे आपके बीच दूरियां बढ़े.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–शनि

27 November 2020 - 30 April 2021

इस समय आपकी कुण्डली में शनि प्रत्यंतर दशा का प्रभाव रहेगा. इस दशा में आपके अंदर वैराग्य की भावना जगेगी लेकिन, इससे अपने दाम्पत्य जीवन को प्रभावित नहीं होने देंगे. आपकी कोशिश यही होगी कि किसी भी स्थिति में आप दोनों के बीच मधुर सम्बन्ध बना रहे. अगर आपके सामने किसी तरह की परेशानी आएगी तो उसे खुद हल करने की कोशिश करेंगे.

आप नहीं चाहेंगे कि आपका साथी भी आपकी परेशानी को जानकर दुःख उठाये. शनि की यह दशा आपको कठोर बना सकती है. इसका यह फायदा होगा कि किसी भी स्थिति में आप अपने मार्ग पर अडिग रहेंगे. दाम्पत्य जीवन के दायित्व को कुशलता पूर्वक निभाने की कोशिश करेंगे.

रत्नों द्वारा उपाय

गुरू रत्न पुखराज धारण करना आपके लिए अच्छा रहेगा. यह आपको समझदारी पूर्वक गृहस्थी से सम्बन्धी समस्याओं को सुलझाने की योग्यता प्रदान करेगा. धन की वजह से दाम्पत्य जीवन में परेशानी आ रही है तो उसमें भी कमी आएगी. धनाभाव के कारण आपका कार्य नहीं रुकेगा.

दान के द्वारा उपाय

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा चल रही है. इस दशा में गुरु ग्रह की वस्तुओं का दान लाभप्रद होगा. गुरु की वस्तुओं में आप पुखराज, कांसा, चने की दाल, बेसन, खांड, पीला कपड़ा, पीला पुष्प, हल्दी, घोड़ा, घी, शक्कर, बूंदी या बेसन के लड्डू का दान कर सकते हैं. इन वस्तुओं का दान बृहस्पतिवार के दिन सूर्योदय से एक घण्टे के भीतर करना चाहिए.

मंत्रों द्वारा उपाय

इस अवधि में गुरु के मंत्र "ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः" का 19000 बार जप गुरू के शुभ प्रभाव को बढ़ाएगा. मंत्र जप आरम्भ करने से पूर्व यह संकल्प लें कि आप कितने समय में जप पूरा करेंगे. निर्धारित समय में जप पूरा कर लेने से जप का पूर्ण फल मिलता है अन्यथा जप निष्फल हो जाता है.

जप पूर्ण होने के बाद हवन करना चाहिए. हवन हेतु पीपल की लकड़ियों का प्रयोग करें. हवन में घी, शहद, दूध, दही और गुड़ अथवा चीनी से 108 बार आहुति दें.

सप्तम घर में सूर्य का गोचर

16 June 2020 - 17 Jul 2020

इस समय सूर्य का गोचर सप्तम भाव से हो रहा है. इस दौरान आपको संयम और शांति से काम लेना होगा अन्यथा पति–पत्नी के सम्बन्ध कटु हो सकते हैं. संभावना है कि आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी इस गोचर में प्रभावित हो सकता है. वह पित्त सम्बन्धी रोग से पीड़ित हो सकते हैं.

कुछ अनावश्यक यात्राएं भी इस अवधि में आप दोनों को करनी पड़ सकती है. इसकी वजह से भी आपस में वाद–विवाद हो सकता है. आपके अंदर उत्साह और उमंग की कमी होगी जबकि, आपके साथी का क्रोध बढ़ेगा.

सप्तम घर में बुध का गोचर

25 May 2020 - 03 Aug 2020

उपरोक्त समय में बुध का गोचर आपकी जन्मपत्री में सप्तम भाव से हो रहा है. संभावना है दाम्पत्य जीवन के प्रति आप थोड़े लापरवाह होंगे. आप दोनों के बीच विरोधाभास रह सकता है. प्रेम सम्बन्धी विषयों में आपकी रूचि कम होगी. जिनसे आप दोनों के बीच दूरी बढ़ सकती है.

इस दौरान आपके जीवनसाथी का संतान के साथ मन–मुटाव हो सकता है. आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का ध्यान आपकी ओर कम है. आपके लिए सलाह है कि गृहस्थी के विषय में बंधु–बान्धवों की बातों पर न जाएं बल्कि, अपने विवेक से काम लें. यह दाम्पत्य जीवन में सुख–शांति बनाये रखने में सहायक होगा.

सप्तम घर में शुक्र का गोचर

02 August 2020 - 02 Sep 2020

उपरोक्त समय में शुक्र सप्तम भाव से गोचर कर रहा है. इस अवधि में आपको अपने साथी एवं संतान के स्वास्थ्य की चिंता सता सकती है. मित्रों के साथ मिलकर वह धन का अपव्यय कर सकते हैं. आशंका है कि इस दौरान ग़लत राह पर ले जाने वाले लोगों से आपके जीवनसाथी की मित्रता होगी. इन हालातों में गृहस्थी चलाने में आपको आर्थिक परेशानी महसूस हो सकती है.

शुक्र के इस गोचर में किसी महिला को लेकर दाम्पत्य जीवन में कठिनाई आने की गुंजाइश है. ऐसे में, धैर्य और शांति से काम नहीं लेंगे तो मन में बेचैनी हो सकती है. यह गोचर यौन रोग की संभावना को भी दर्शा रहा है.

सप्तम घर में चन्द्र का गोचर

10 January 2020 - 12 Jan 2020
06 February 2020 - 08 Feb 2020
04 March 2020 - 07 Mar 2020
01 April 2020 - 03 Apr 2020
28 April 2020 - 30 Apr 2020
25 May 2020 - 28 May 2020
22 June 2020 - 24 Jun 2020
19 July 2020 - 21 Jul 2020
15 August 2020 - 18 Aug 2020
12 September 2020 - 14 Sep 2020
09 October 2020 - 11 Oct 2020
05 November 2020 - 08 Nov 2020
02 December 2020 - 05 Dec 2020
30 December 2020 - 01 Jan 2021

इस अवधि में चन्द्रमा आपकी कुण्डली में सप्तम भाव से गोचर कर रहा है जो दाम्पत्य जीवन में सुख–समृद्धि के विषय में शुभ प्रभाव दे सकता है. आपके जीवनसाथी के यश और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आर्थिक कमी के कारण आपकी गृहस्थी में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आएगी. आप दोनों सभी कार्यों में एक–दूसरे को सहयोग देंगे. प्यार–मुहब्बत की बातों में आपकी रूचि बढ़ेगी. जीवनसाथी के साथ आपके प्रेमपूर्ण सम्बन्ध बने रहेंगे. यह दशा सुख और आनन्द में व्यतीत होगा.

सप्तम घर में राहु का गोचर

08 March 2019 - 24 Sep 2020

इस समय राहु का गोचर सप्तम भाव से हो रहा है. इस अवधि में मन को शांत रखना होगा अन्यथा छोटी–छोटी बातों पर जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है. मानसिक परेशानियां बढ़ेंगी तथा अनजाना भय महसूस होगा. आशंका है कि इन दिनों आप बीमार भी हो सकते हैं.

इस गोचर के दौरान आपके दाम्पत्य जीवन में कुछ अनचाहे परिवर्तन होंगे. सलाह है कि जीवनसाथी के भरोसे को कायम रखें और अपने मन को कहीं और भटकने से रोकें. ऐसा नहीं करेंगे तो परिवार में कलह होगा. धन की भी हानि होगी.

विवाह भाव के स्वामी का विवाह भाव में गोचर

25 May 2020 - 03 Aug 2020

आपकी कुण्डली में सप्तम भाव का स्वामी बुध है जो उपरोक्त समय में सप्तम भाव से गोचर कर रहा है. यह गोचर आप दोनों को जोश, उत्साह तथा स्फूर्ति प्रदान करेगा. इससे आप दोनों अपनी गृहस्थी को सुचारू पूर्वक चला सकेंगे. परिवार में किसी प्रकार की परेशानी आती है तो समझदारी से उनका निदान करेंगे. पति–पत्नी के बीच स्नेह बनाये रखने में जीवनसाथी की प्रभावशाली वाणी का भी योगदान रहेगा. जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं.